परियोजना विवरण :– जनपद टिहरी गढ़वाल के विधान सभा क्षेत्र देवप्रयाग के अंतर्गत चौण्ड़ी, भदली, घटधार, थानकोट, घेरा होते हुए ग्राम सिमलासू बैण्ड़ तक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य। (लम्बाई 5.275 कि0मी0)।

प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा प्रस्तावित कार्य हेतु वन भूमि की मांग का पूर्ण औचित्य दर्शाते हुए विस्तृत आख्या निम्न है।

उक्त स्वीकृति के अनुपालन में राज्य योजना के अन्तर्गत **चौण्ड़ी, भदली, घटधार, थानकोट, घेरा होते हुए ग्राम सिमलासू तक मोटर मार्ग** का नव निर्माण हेतु मार्ग की वास्तविक सर्वेक्षण कार्य करने के उपरान्त मार्ग की वास्तविक लम्बाई **5275.00 मीटर** आंकी गई है। जिसमें 3875.00 मीटर नाप भूमि, 625.00 मीटर सिविल सोयम भूमि, 0.00 मीटर वन पंचायत भूमि, 776.00 मीटर आरक्षित वन भूमि, पड़ती है। इस लम्बाई हेतु अधीक्षण अभियन्ता, 8वाँ वृत्त लो0नि0वि0 नई टिहरी के पत्रांक **5995/849 सी0–8/2016 दिनांक 22.08.2016** से उक्त लम्बाई हेतु समरेखण स्वीकृत किया गया है तथा स्वीकृत समरेखण की प्रति संलग्न है।

चौण्ड़ी, भदली, घटधार, थानकोट, घेरा वासियों हेतु वर्तमान में इस प्रस्तावित मोटर मार्ग के अतिरिक्त कोई अन्य वैकल्पिक मोटर मार्ग उपलब्ध नहीं है। जिस वजह से लोगों को पैदल ही आवाजाही करनी पड़ती है। क्षेत्र का एकमात्र इण्टर कॉलेज पौड़ीखाल होने के कारण विद्यार्थियों को लगभग 5.00 कि0मी0 लम्बाई में पैदल आवाजाही करनी पड़ती है। बुजुर्ग व्यक्तियों की बीमार की स्थिति में डंडी–कण्डी के माध्यम से भुवनेश्वरी मन्दिर चिकित्सालय पौड़ीखाल लाना पड़ता होता है। जबकि गाँव में युवा काफी कम होने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पडता है। किसी व्यक्ति की मृत्यु होने की स्थिति में वर्तमान में मोटर मार्ग न होने के कारण कंधों पर ढोकर दाह संस्कार हेतु देवप्रयाग लाना पड़ता है। सिलेण्डर एवं रसद को खच्चरों के माध्यम के से गाँव में पहुँचाने पर काफी खर्च आता है। यदि उक्त मोटर मार्ग बन जाता है, जहाँ लोगों को पैदल आवाजाही में कम समय लगेगा, वहीं लोगों की अपरोक्ष रूप से आर्थिकी में वृद्धि होगी। एवं गाँव से पलायन कर रहे लोग वापस गाँव में आयेंगे।

अतः उक्त मोटर मार्ग निर्माण किया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः **चौण्ड़ी, भदली, घटधार, थानकोट, घेरा होते हुए ग्राम सिमलासू तक मोटर मार्ग राज्य योजना** के अन्तर्गत स्वीकृत मोटर मार्ग के लिये नव निर्माण कार्य भी इसी लम्बाई के लिये किया जाना है। अतः इसी लम्बाई के अनुरूप पड़ने वाली विभिन्न प्रकार की भूमि के लिये यह वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव गठित किया गया है।

सहायक अभियन्ता
अ0ख0 लो0नि0वि0 श्रीनगर
मु0 कीर्तिनगर।

अधिशासी अभियन्ता
अ0ख0 लो0नि0वि0 श्रीनगर
मु0 कीर्तिनगर।

क्षेत्रीय वनाधिकारी
टिहरी वन प्रभाग
नई टिहरी